हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 6 अप्रैल 2026

12 एसपी ने थाना शहर टोहाना, थाना सदर टोहाना का किया निरीक्षण

12 शिक्षा व्यक्तित्व निर्माण व संस्कारों के विकास का माध्यम

खबर संक्षेप

सरकारी स्कूल में चोरी का आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। गांव अकांवाली स्थित सरकारी स्कूल में हुई चोरी के मामले में थाना सदर टोहाना पुलिस ने एक अन्य युवक को गिरफ्तार किया है। थाना सदर टोहाना प्रभारी निरीक्षक शादी राम ने बताया कि 24 दिसंबर 2025 को अनिता रानी, मुख्य शिक्षक, राजकीय प्राथमिक पाठशाला अकांवाली ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी। मुख्य शिक्षक ने कहा था कि 19 दिसंबर को वह स्कूल को सही तरीके से बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन सुबह जब स्कूल खोला गया तो पांच कमरों के ताले टूटे हुए मिले।

सड़क हादसे में पति-पत्नी समेत पांच लोग घायल

जाखल। गांव तलवाड़ा के पास घग्गर पुल पर रविवार को दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस टक्कर में दोनों बाइक पर सवार पति-पत्नी समेत पांच लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी जाखल पहुंचाया गया। जहां से पांचों घायलों को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। रामफल की हालत बेहद गंभीर है। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार, कुलां की ओर से मोटरसाइकिल पर सवार होकर रामफल, उसकी पत्नी और एक अन्य सुखप्रीत जाखल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ।

मकान से जेवर चोरी आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। जाखल थाना पुलिस ने एक बंद मकान से लाखों के जेवर चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात, नकदी और एक लैपटॉप बरामद किया है। आरोपी की पहचान जाखल की नई बस्ती निवासी सौरभ के रूप में हुई है। जाखल थाना प्रभारी सुरेश ने बताया कि यह चोरी की घटना बीती 1 अप्रैल की रात को हुई थी। चोर ने कृष्ण कुमार और गौरव के बंद मकान के ताले तोडक़र वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया।

ट्रस्ट की बैठक में कई प्रस्ताव पारित

सिरसा। सैनी सभा ट्रस्ट द्वारा जंडवाला मोहल्ले में एक मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से महात्मा ज्योतिबा फुले मीटिंग हाल बनाने व सैनी समाज की गणना का प्रस्ताव रखा गया। प्रधान नरेंद्र सैनी ने कहा कि सभा द्वारा समाज के युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेल व अन्य गतिविधियां करवाई जाएंगी। युवाओं को समाज के उत्थान के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर उपप्रधान विशाल सैनी, सचिव अमीचंद सैनपी, कोषाध्यक्ष विजय सैनी दहिया, बृजलाल सैनी, साधुराम सैनी पूर्व प्रधान, रमेश सैनी पूर्व प्रधान, तुलसीराम सैनी पूर्व प्रधान, चुन्नीलाल सैनी, जसवंत सिंह संयोजक, बनवारीलाल सैनी व अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

अप्रैल में सात पश्चिमी विक्षोभ होंगे सक्रिय, आज फिर बारिश और अंधड़ के आसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पिछले महीने की तरह अप्रैल महीना में भी मौसम प्रतिदिन बदल रहा है। बात करे पश्चिमी विक्षोभ की तो पश्चिमी विक्षोभ ने पकी पकाई फसलों पर पानी फेर दिया है। इस महीने सात पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे, जिससे तापमान में बार-बार उतार-चढ़ाव बना रहेगा। वैसे मार्च के महीने में भी लगभग ऐसा ही मौसम रहा। अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक भी पहुंचा लेकिन बीच-बीच में बादलवाई, बूंदाबांदी व बारिश का दौर रहने से गिरावट भी रही। एक बारगी 35 डिग्री तो दो दिन बाद 21 डिग्री तापमान मार्च माह ने देखा है। यानि कि गर्मी और ठंडक एक साथ चलते रहे। अब आगे भी ऐसे ही आसार मौसम विभाग जता रहा है। रविवार को फतेहाबाद में धूप निकलने के बावजूद तापमान सामान्य से तीन डिग्री तक कम रहा। इससे पूर्व दो दिन लगातार बादल छाये रहे और कुछ बूंदाबांदी भी हुई। पिछले दो दिनों में दोपहर में कई दिन बाद तेज धूप के कारण गर्मी अन्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा महसूस हुई। हालांकि शाम को बादल छाने और हलकी बरसात से थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग ने 6 से 8 अप्रैल तक प्रदेश में हवाएं चलने और बारिश की संभावनाएं जताई हैं।

मौसम विभाग के अनुसार अप्रैल माह में औसतन बारिश सामान्य से अधिक रहने की उम्मीद है। पूरे महीने पारा स्थिर नहीं रहेगा। जहां पहले पखवाड़े में तापमान में गिरावट रहेगी वहीं दूसरे पखवाड़े की शुरूआत में गर्मी बढ़ेगी और अंत में फिर मौसम सुहावना हो जाएगा। वर्तमान में बादलों की आवाजाही और छिटपुट बूंदाबांदी के बाद अब उत्तर-पश्चिमी हवाओं के चलने से रात के तापमान में हल्की गिरावट आने की संभावना है। इस दौरान 15 अप्रैल तक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से गर्मी में राहत मिलती रहेगी। इस अवधि के दौरान 7-8 अप्रैल और 11-12 अप्रैल को मौसम में बदलाव रहेगा। इन तारीखों के आसपास पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में तेज हवाओं, आंधी और बूंदाबांदी के आसार हैं। ऐसे में बार-बार मौसम बदलने से दिन और रात का तापमान सामान्य या सामान्य से नीचे बना रहेगा। आज 6 अप्रैल को एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत में सक्रिय होगा, जिससे 7, 8 व 9 अप्रैल के दौरान तेज गति से हवाएं, अंधड़, हल्की से मध्यम वर्षा व ओलावृष्टि की संभावना है। इस मौसम प्रणाली से उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर भारी बर्फबारी होने से मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा में तापमान में रिकार्ड गिरावट देखने को मिलेगी। इसकी वजह से मौसम यू-टर्न लेगा और फरवरी जैसी ठंड की संभावना बन रही है। रविवार को फतेहाबाद का दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा।

मौसम का पूर्वानुमान

प्रदेश में 9 अप्रैल तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान पश्चिमीविक्षोभ के प्रभाव से राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सरकुलेशन बनने से 6 अप्रैल रात्रि से 8 अप्रैल के दौरान राज्य में बीच बीच में आंशिक बादलवाई तथा मध्यम से तेज गति से हवाएं चल सकती है। इसके अलावा गरजचमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान कुछ एक स्थानों पर तेज बारिश भी हो सकती है। इस दौरान बीच बीच में हवाओं में बदलाव आने से दिन के तापमान में ज्यादा बदलाव न होने व रात्रि तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने के आसार हैं।

- **डॉ मदन खीचड़**, एचएयू मौसम विभाग, हिसार

बदहाली : 10 दिन तक सुलगता रहा कचरा, बदबू से सांस लेना भी मुश्किल

फतेहाबाद में कचरा डंपिंग प्वाइंट भरा, शहर से कूड़ा उठाना बंद, सड़कों पर कचरे के ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर में कचरा प्रबंधन की बदहाल व्यवस्था अब खुलकर सामने आ गई है। बीघड़ रोड स्थित करीब 5 एकड़ में बने मुख्य डंपिंग प्वाइंट के पूरी तरह भर जाने के कारण नगर परिषद ने शहर के कलेक्शन प्वाइंट्स से कचरा उठाना ही बंद कर दिया है। नतीजतन मुख्य सड़कों और बाजारों में कचरे के ढेर लग गए हैं, जिससे शहर में गंदगी और बदबू का माहौल बन गया है। रविवार को शहर के कई हिस्सों में कचरे के अंबार साफ दिखाई दिए। नगर परिषद के इस कदम का खामियाजा अब दुकानदारों और आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि कचरे की बदबू के कारण दुकानों पर बैठना मुश्किल हो गया है और राहगीरों को रुमाल या कपड़ा मुंह पर रखकर गुजरना पड़ रहा है। यदि जल्द ही कचरा निस्तारण प्लांट को सक्रिय नहीं किया गया और डंपिंग की स्थायी व्यवस्था नहीं बनी, तो आने वाले दिनों में फतेहाबाद की सडक़ों पर कचरे का संकट और गहरा सकता है।

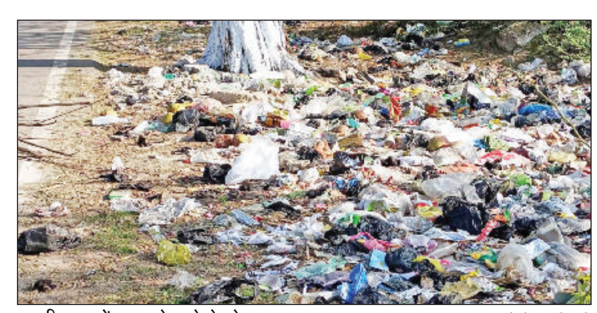

फतेहाबाद। डंपिंग प्वाइंट पर कचरे के ढेर में आग से उठता जहरीला धुंआ तथा शहर की सडक़ों पर लगे कूड़े के ढेर। *फोटो : हरिभूमि*

जब डंपिंग यार्ड में जगह नहीं बची तो शहर ही बन गया डंपिंग प्वाइंट

बीघड़ रोड पर बने मुख्य कचरा संग्रहण केंद्र में हालात ऐसे हो गए हैं कि नई ट्राली खाली करने के लिए भी जगह नहीं बची। इसके चलते नगर परिषद ने शहर के अलग-अलग कलेक्शन प्वाइंट्स से कचरा उठाना बंद कर दिया। परिणामस्वरूप शहर के प्रमुख मार्गों और बाजारों में कचरे के ढेर जमा हो गए हैं। पंजाब नेशनल बैंक चौक, भट्टू रोड पर सिवाच अस्पताल के पास और बीघड़ रोड जैसे व्यस्त इलाकों में रविवार को कचरे के बड़े-बड़े ढेर नजर आए। उठान न होने के कारण कचरा सडक़ों पर फैलता जा रहा है।

10 दिन तक सुलगता रहा कचरा : बीघड़ रोड स्थित डंपिंग प्वाइंट पर पिछले दिनों 10 दिन तक कचरे के ढेर में आग सुलगती रही। करीब दो से तीन एकड़ क्षेत्र में फैले कचरे से जहरीला धुआं निकलता रहा, जिससे आसपास के लोगों को भारी परेशानी हुई। मामला मीडिया में आने के बाद नगर परिषद ने दमकल की गाड़ियों को भेजकर आग पर काबू पाया। हालांकि बड़ा सवाल यह है कि शहर में कचरे के स्थायी निस्तारण की व्यवस्था पिछले एक साल से क्यों नहीं हो पाई। यदि जल्द ही कचरा निस्तारण प्लांट को सक्रिय नहीं किया गया और डंपिंग की स्थायी व्यवस्था नहीं बनी, तो आने वाले दिनों में फतेहाबाद की सडक़ों पर कचरे का संकट और गहरा सकता है।

शहर का दम घोंटता कचरा

रोजाना कचरा	:	30 से 35 टन
मौजूदा स्थिति	:	करीब 1 साल से कचरे का स्थायी निस्तारण ठप
ताजा संकट	:	सेकेंडरी कलेक्शन प्वाइंट्स से उठान बंद
प्रभावित इलाके	:	पीएनबी चौक, भट्टू रोड, बीघड़ रोड, पुराना एसडीएम निवास क्षेत्र

डंपिंग प्वाइंट खाली करवाया जा रहा है : एसआई

नगर परिषद के एसआई महेश कुमार के अनुसार डंपिंग प्वाइंट पूरी तरह भर चुका है। वहां जेसीबी मशीनों की मदद से जगह बनाई जा रही है ताकि नया कचरा डाला जा सके। जैसे ही जगह बनेगी, शहर के सेकेंडरी कलेक्शन प्वाइंट्स से कचरा उठाने का काम फिर से शुरू कर दिया जाएगा।

संस्थाओं ने उठाए सवाल

सामाजिक संस्थाओं ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। नागरिक अधिकार मंच के संयोजक एवं पार्षद मोहन लाल नारंग ने कहा कि लंबे समय से कचरे के निस्तारण की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं की गई है। नगर परिषद केवल खानापूर्ति कर रही है, जिससे शहर में बीमारी फैलने का खतरा बढ़ गया है।

सिरसा। चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित गिरोह के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

अंतरराज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

- आरोपियों की निशानदेही पर चोरीशुदा दस मोटरसाइकिल बरामद

पुलिस ने अंतराज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर चोरीशुदा दस मोटरसाइकिल बरामद किए हैं। सिरसा के एसपी दीपक सहारण ने रविवार को बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान राजस्थान के हनुमानगढ़ निवासी जोगिंदर व आमिर खान तथा सिरसा जिला निवासी गोविंद के रूप में हुई है। पुलिस ने सिरसा निवासी मनदीप कुमार की शिकायत पर बाइक चोरी का मामला दर्ज किया। मनदीप ने बताया कि वह सिरसा के संजीवनी अस्पताल में गया था। यहां से उसका मोटरसाइकिल चोरी हो गया। जांच एबीवीटी स्टाफ को सौंपी गई। जांच के दौरान पुलिस ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी जोगिंदर, आमिर खान व गोविंद को गिरफ्तार कर लिया। एसपी दीपक सहारण ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ करने पर उन्होंने सिरसा, रानियां व राजस्थान के हनुमानगढ़ क्षेत्र से बाइक चोरी की अनेक वारदातें करनी कबूल की हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की निशानदेही पर चोरीशुदा दस मोटरसाइकिल बरामद कर लिए हैं। आरोपियों को सिरसा अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और रिमांड अवधि के दौरान आरोपियों से पूछताछ की जाएगी। पूछताछ में बाइक चोरी की अन्य वारदातों का खुलासा होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा पुलिस ने वाहन चोरी की तीन वारदातों को सुलझाते हुए दो वांछित आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। डबवाली शहर थाना प्रभारी देवीलाल ने बताया कि सन्नी कुमार की शिकायत पर स्कूटी चोरी, गुरसेवक सिंह व हैप्पी सिंह की शिकायत पर मोटरसाइकिल चोरी का मामला दर्ज किया था।

हाईवे चौड़ीकरण में अनियमितता के आरोप

- रातों-रात बनाई सड़क, लोगों ने विजिलेंस जांच की मांग उठाई, किनारों पर पत्थर की जगह मिट्टी डालने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

फतेहाबाद से उकलाना स्टेट हाईवे-2 पर सड़क चौड़ीकरण के कार्य में अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य में खामियों को छिपाने के लिए ठेकेदार द्वारा रातों-रात सड़क तैयार कर दी गई, जबकि संबंधित अधिकारी पूरे मामले में मूकदर्शक बने हुए हैं।

शहरवासियों ने आरोप लगाया कि सड़क के दोनों ओर तीन-तीन फीट चौड़ीकरण के दौरान गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई। पहले जहां पत्थर डालकर मजबूत आधार तैयार किया जाना चाहिए था, वहां नाममात्र का मटेरियल डाला गया। बाद में इसे छिपाने के लिए तारकोल और बजरी डालकर जल्दबाजी में सडक़ का निर्माण कर दिया गया। लोगों का कहना है कि सडक़ टेढ़ी-मेढ़ी बनाई गई है और किनारों पर खड़े पेड़ों के कारण हादसों का खतरा भी बना हुआ है। उकलाना रोड निवासी पवन कुमार, सुभाष चंद्र, सचिन कुमार, अमित कुमार, सुरेश कुमार सहित अन्य लोगों ने बताया कि हाईवे के सुंदरीकरण व चौड़ीकरण का कार्य शहर की अमरूद बागवानी से मुगलपुरा गांव के पास हिसार सीमा तक सडक़ को चौड़ा किया जा रहा है। आरोप है कि ठेकेदार ने सड़क के किनारों पर खुदाई तो की, लेकिन मजबूती के लिए पत्थर डालने की बजाय मिट्टी डालकर रोलर चला दिया गया। स्थानीय लोगों ने इस मामले में विजिलेंस जांच की मांग करते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। वहीं, लोक निर्माण विभाग के उपमंडल अधिकारी बलवीर सिंह ने बताया कि सड़क के किनारों को मजबूत करने के लिए पत्थर डालने के निर्देश दिए गए हैं और विभाग द्वारा कार्य की निगरानी की जा रही है।

भूना। फतेहाबाद-उकलाना हाईवे चौड़ीकरण में अनियमितता के चलते रातों-रात बनाई टेढ़ी-मेढ़ी सड़क। *फोटो : हरिभूमि*

अध्यापकों की कमी से विद्यार्थी-अभिभावक परेशान

नंगल के मॉडल संस्कृति प्राथमिक स्कूल का मामला, ग्रामीणों ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

गांव नंगल के राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल में पिछले लंबे समय से चल रही अध्यापकों की कमी को बार-बार मांग के बाद भी शिक्षा विभाग द्वारा पूरा नहीं किए जाने से ग्रामीणों, एसएमसी कमेटी व पंचायत सदस्यों में भारी रोष पाया जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर सोमवार तक स्कूल में अध्यापकों की कमी को दूर नहीं किया गया तो धरना-प्रदर्शन करने के साथ अपने बच्चों के नाम स्कूल से कटवाने को मजबूर होंगे। स्कूल एसएमसी कमेटी प्रधान बूटा सिंह, सदस्य कुलदीप घारू, सुक्खा सिंह, सुलखन सिंह, बिट्टू सिंह वर्मा सहित ग्राम पंचायत सदस्यों व ग्रामीणों ने बताया कि नंगल के राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल में करीब 250 बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं लेकिन स्कूल में सिर्फ 5 अध्यापक ही तैनात हैं। 250 बच्चों पर 5 अध्यापक कम हैं। बच्चों की संख्या की आधार पर स्कूल में 10 अध्यापक होने चाहिए।

रतिया। रोष व्यक्त करते हुए गांव नंगल के ग्रामीण।

कई बार की मांग, सुनवाई नहीं

उन्होंने बताया कि अध्यापकों की मांग को लेकर को लेकर अनेक बार मौलिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को मिलने के अलावा कई बार पत्र भी लिखे जा चुके हैं। इसके चलते डेढ़ साल पूर्व स्कूल में दो अध्यापक भेजे गए थे लेकिन कुछ समय बाद उक्त दोनों अध्यापकों के तबादले हो जाने के बाद स्कूल में फिर से 5 ही अध्यापक रह गए। लोगों का कहना है कि अब बार-बार मांग के बाद भी शिक्षा विभाग के किसी भी अधिकारी ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया।

लाखों रुपये की हेरोइन सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये की हेरोइन सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 36 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। सीआईए कालांवाली प्रभारी सुरेश कुमार ने रविवार को बताया कि पुलिस टीम नशा तस्करी की रोकथाम के लिए पक्का कमाल डोगरावाली से होते हुए वापस कालांवाली की तरफ आ रही थी। रास्ते में कार आती दिखाई दी। कार चालक ने पुलिस को देखकर कार की स्पीड बढ़ा दी। पुलिस ने शक के आधार पर कार का पीछा किया और चालक को काबू कर तलाशी ली तो कार से लाखों रुपये की 28 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपी की पहचान अमृतपाल सिंह के रूप में हुई। इसके अलावा एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस ने एक युवक को आठ ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान कमल व बसंत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस टीम गश्त के दौरान गोशाला मोहल्ला क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सामने से बाइक सवार दो युवक आते हुए दिखाई दिए जो कि पुलिस को देखकर वापस मोडक़र भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने शक के आधार पर दोनों को काबू कर तलाशी ली तो उनके कब्जे से हेरोइन बरामद हुई। आरोपियों के खिलाफ संबंधित पुलिस थाना में मामला दर्ज किया गया है।

कालाष्टमी 9 अप्रैल को : काल भैरव की पूजा से दूर होती हैं जीवन की समस्याएं

भगवान शिव के रौद्र रूप और काल भैरव पूजा का है विधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हिंदू धर्म में कालाष्टमी का पर्व बहुत महत्व रखता है। इस दिन भगवान शिव के रौद्र रूप, भगवान काल भैरव की विधि विधान से पूजा की जाती है। यह पर्व हर महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और पूजा करते हैं।

भगवान काल भैरव भगवान शिव के अत्यंत उग्र और विनाशकारी रूप माने जाते हैं। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, उनकी उत्पत्ति शिव के क्रोध से हुई थी। उन्हें 'समय का रक्षक' (काल) और 'भय का नाशक' (भैरव) कहा जाता है। श्री श्याम मंदिर फतेहाबाद के पुजारी पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार काल भैरव की पूजा करने से जीवन की सभी समस्याएं दूर होती हैं और नकारात्मक शक्तियों से बचाव होता है। पंचांग के अनुसार वैशाख महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 9 अप्रैल को रात 9:18 बजे और इसका समापन 10 अप्रैल को रात 11:14 बजे होगा। ऐसे में निशा काल को देखते हुए कालाष्टमी का व्रत 9 अप्रैल को रखा जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कालाष्टमी की पूजा निशा काल में करना ही फलदायी माना जाता है। ऐसे में 9 अप्रैल को रात में कालाष्टमी की पूजा कर सकते हैं।

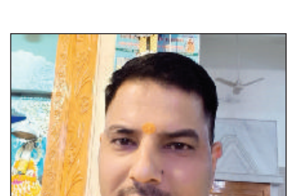

पंडित सोनू शर्मा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार काल भैरव की पूजा करने से समस्याएं दूर होती हैं और नकारात्मक शक्तियों से बचाव होता है और फलदायी मानी जाती है

व्रत की पूजा विधि

पंडित सोनू शर्मा के अनुसार इस दिन सुबह उठकर सबसे पहले स्नान करें, फिर व्रत का संकल्प लें। रात में भगवान काल भैरव की विशेष पूजा करें। सबसे पहले काल भैरव की मूर्ति किसी साफ-सुथरी जगह पर स्थापित करें। इसके बाद सरसों का तेल, काले तिल, फूल और नारियल अर्पित करें। दीपक जलाकर आरती करें और भैरव चालीसा या मंत्रों का जाप करें। इस दिन कुत्ते को भोजन कराना शुभ माना जाता है और आखिर में काल भैरव को प्रसाद का भोग चढ़ाकर गरीबों और जरूरतमंदों में बांटे।

व्रत का धार्मिक महत्व

पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि धार्मिक महत्व के अनुसार, भगवान काल भैरव को भगवान शिव का उग्र रूप माना जाता है जो समय और मृत्यु के देवता हैं। कालाष्टमी के दिन उनकी पूजा करने से भय, रोग और ग्रह दोषों से मुक्ति मिलती है। खास तौर पर जो लोग शनि, राहु या केतु के दुष्प्रभाव से परेशान होते हैं उनके लिए यह व्रत बेहद लाभकारी माना जाता है। इस दिन कुत्तों को भोजन कराना भी शुभ माना जाता है, क्योंकि उन्हें काल भैरव का वाहन माना जाता है।

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का धयान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।

- स्वामी विवेकानंद

कहानी

अर्चना कोचर

विश्वास की कसौटी

सुबह-सुबह दरवाजे पर लगातार बजती घंटी से झुंझलाकर रुचिका ने गुस्से में दरवाजा खोला। सामने आधे फटे मैले-कुचैले कपड़ों में जवान लड़की खड़ी थी। चेहरा उतरा हुआ, होंठ फटे तथा आंखों में दहशत थी। वह लड़की उसे टुकुर-टुकुर देखने लगी। रुचिका माथे पर भौहें चढ़ाकर बोली-"अरी! बोलो क्या कहना है.. क्यों सुबह-सुबह टाइम खोटी कर रही हो..?" वह लड़खड़ाती जुबान में बोली -"मैं.. नि..धी.., घर..फोन, किराया.. पैसे..।' तभी साथ वाले पड़ोसी के जवान बेटे अभय और अभिनव को आते देखकर वह ऐसे ठिठकी, जैसे उसे सौ वोल्टेज का झटका लगा हो और खुद में सिमटने की कोशिश करने लगी। भय के मारे उसका चेहरा पीला पड़ गया। रुचिका के करीब आने के लिए वह दो कदम और आगे बढ़ी-जैसे कुछ कहना चाहती हो, पर शब्द गले में अटक गए हो। होंठ हिल रहे थे, पर ज़ुबान साथ नहीं दे रही थी। उसकी आंखों और कांपते हाथों के इशारों में मदद की एक मूक पुकार थी। सुबह-सुबह एक तो पूरे घर को व्यवस्थित करके दफ्तर जाने की जल्दी, ऊपर से जवान लड़की को भीख मांगते देखकर रुचिका स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख पाई और क्रोधाग्नि में जलते हुए -"सुबह-सुबह भीख मांगना शुरू कर देते हो। कुछ तो शर्म करो.., भरी जवानी में दो वक्त की रोटी भी कमाकर नहीं खा सकती हो.. और उसे अनदेखा करके फटाक से गेट बंद कर दिया।" और वह मन-ही-मन बड़बड़ाते हुए–"इन भोली-भाली शक्लों के पीछे शैतानी दिमाग के बड़े-बड़े षड्यंत्र चलते हैं।"

फिर पति मुकेश की तरह मुखातिब होते हुए -"अभिनव और अभय दोनों पुलिस और सीआईडी में है। उन्हें देखकर उस लड़की ने ऐसी प्रतिक्रिया दी जैसे चोरी पकड़े जाने पर गुनाह से मुकर रही हो।" मुकेश-"यह अकेले काम नहीं करती हैं। इनके पीछे इनका पूरा गैंग होता है। इनका ज्यादातर काम इशारों से ही चलता है।" आजकल ठगों के भी नए-नए तरीके हो गए हैं। मदद मांगने के बहाने घर के अंदर घुस आते हैं ।" रुचिका ने सिर हिलाया, लेकिन कहीं भीतर असली और नकली में एक द्वंद्व छिड़ गया-"क्या वाकई वह ठग थी..?" दो घंटे बाद कार से दफ्तर जाते हुए सड़क किनारे लगी भीड़ को देखकर रुचिका ने गाड़ी रोककर ऊंची-ऊंची आवाज में-"क्या हुआ..क्या हुआ..का शोर मचाकर सबका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने लगी।' पास खड़े दुकानदार ने कहा -"सुबह से कोई लड़की गली में मदद की आस में इधर-उधर घूम रही थी, किसी से कुछ मांग रही थी। पर, कोई ध्यान नहीं दे रहा था। थोड़ी देर पहले यहीं गिर पड़ी।" वह फटाफट गाड़ी से उतरी और भीड़ के बीच सड़क पर उसी लड़की को बेहोश देखकर हैरानी से-"अरे! क्या हुआ इसे। दो घंटे पहले तो ठीक-ठाक थी। मेरे दरवाज़े पर भी आई थी, मदद मांग रही थी..। ठीक से बोल नहीं पा रही थी ।

> *सुबह-सुबह एक तो पूरे घर को व्यवस्थित करके दफ्तर जाने की जल्दी, ऊपर से जवान लड़की को भीख मांगते देखकर रुचिका स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख पाई और क्रोधाग्नि में जलते हुए -"सुबह-सुबह भीख मांगना शुरू कर देते हो। कुछ तो शर्म करो.., भरी जवानी में दो वक्त की रोटी भी कमाकर नहीं खा सकती हो...*

शायद अपना नाम निधि बता रही थी, फोन और पैसे मांग रही थी। हो सकता है घर पर फोन करना चाह रही हो या घर जाने के लिए किराए के पैसे मांगने आई हो।" अब सुबह-सुबह सभी अपनी-अपनी दिनचर्या की आपा-धापी में व्यस्त होते हैं। इस बेचारी की मजबूरी कोई समझ नहीं पाया।" उस पर पानी के छींटें मारकर उसे होश में लाने की काफी कोशिश की गई, उसकी धड़कने धड़क रही थी, पर शरीर हरकत नहीं कर रहा था। रुचिका दफ्तर जाना भूल गई। दो-चार जवानों की मदद से उसे अपनी कार में डालकर फटाफट अस्पताल ले गई। उसके मन में आत्मग्लानी का बोध था-"उस बेचारी की जुबान में कंपन थी, हलक भी सूख रहा था। उसने इशारों में अपनी बात समझाने की कितनी कोशिश की थी-उस समय इसे दो घूंट पानी ही पिला देती।" काश! सुबह इसकी समय पर मदद कर दी होती। अंतर्द्वंद्व की ऊहापोह में उलझी–अब यह रुचिका क्या करती–रोज़ नए रूपों में होने वाले धोखे और ठगी की वारदातों ने तो जरूरतमंदों की मदद पर से भरोसा ही खत्म कर दिया है। अब इस मासूम निधि की सच्ची पुकार भी शक के घेरे में आ गई। तेरे मन के पेंडुलम में झूलती इस शक की सुई ने दांव पर लगा दी ना एक मासूम ज़िंदगी। रुचिका की बढ़-चढ़कर निधि की मदद के कारण पीजीआई के डॉ विपुल शाह ने -"क्या हुआ इसे...?"
रुचिका- "डॉ. साहब, पता नहीं, सड़क के किनारे बेहोश मिली है।" डॉ विपुल शाह-"फिर तो पुलिस केस बनेगा। क्या यह आपकी पहचान में है?"

रुचिका - "नहीं, फिर भावुक होते हुए - डॉ. साहब, आप पुलिस को सूचित कर दीजिए, लेकिन पहले इसका इलाज शुरू कीजिए।" डॉ. विपुल शाह-"कल को कोई समस्या हो गई तो बात हमारी नौकरी पर आ जाएगी। आप तो पढ़ी-लिखी समझदार हैं, आपको पता ही है मीडिया और पुलिस का..।" रुचिका - "डॉ. साहब, मैं गारंटी ले रही हूं। आप इसका इलाज शुरू करिए।" लेकिन साथ आए युवक- "मैडम, कल को कोई लफड़ा हो गया तो लेने के देने पड़ जाएंगे। ऐसे निर्णय जज्बातों में बहकर जल्दबाजी से नहीं लिए जाते।"
रुचिका-" सुबह इस बेचारी की मदद ना कर पाने के कारण इसकी रुकती सांसों पर लेने के देने तो अभी भी पड़ रहे हैं।" युवक-"मैडम, पुलिस को आने दीजिए। केस की तहकीकात के पश्चात कोई फैसला लेना उचित होगा।"

रुचिका-" पर, तब तक बहुत देर हो जाएगी। अगर इसे कुछ हो गया तो, मैं तो जीते जी ही मर जाऊंगी।" वह निधि के इलाज में एक सेकेंड की देरी भी सहन नहीं कर पा रही थी, इसलिए उसकी निगाहें केवल निधि पर टिकी थी। डॉक्टरों के रोकने के बावजूद उसके कदम बार-बार उसके बेड की तरफ मुड़ जाते तथा उसकी धड़कनों की पुष्टि कर आते थे। पुलिस ने आते ही शीघ्रता से पूछताछ करके अपनी फाइल बना ली तथा डॉक्टर भी बड़ी तन्मयता से निधि के इलाज में जुट गए। उसकी लगातार उखड़ती सांसों के बावजूद उसकी जिंदगी के लिए धरती के भगवानों की उस सर्वशक्तिमान से जंग जारी रही। रुचिका वहीं बैठी रही तथा हाथ जोड़कर भगवान से प्रार्थना करती रही। हर बीतते पल के साथ उसे अपनी गलती का अहसास और भारी लगता जा रहा था और दिमाग स्कूल के गलियारे में पढ़ी 'हार की जीत' कहानी में घूम रहा था। बाबा भारती ने तो डाकू खड़क सिंह से यह वचन लिया था कि तुम दुनिया को यह मत बताना कि तुमने बाबा भारती से यह घोड़ा कैसे लिया है, वर्ना लोग अपाहिजों और दीन-दुखियों की मदद करना छोड़ देंगे। आज यही बात बिल्कुल यथार्थ हो गई है। पीड़ा की गहन अनुभूति में वह खुद से बड़बड़ाई - "बाबा भारती और सुल्तान तो हारकर भी जीत गए थे, पर यह रुचिका विश्वास की कसौटी पर.....।" पुलिस की तत्परता तथा नवयुवकों की सोशल मीडिया पर सक्रिय कोशिशों से निधि की पहचान मिल गई। वह एक प्रतिष्ठित कारोबारी की बेटी थी, जो विदेश की एक कंपनी में काम करती थी। पता लगते ही रोता-बिलखता पूरा परिवार अस्पताल आ गया। उसकी मां बिलखते हुए बोली- "बेटी, दो दिन पहले स्कूटी से शाम को शॉपिंग करने बाजार गई थी। स्कूटी पार्किंग में ही खड़ी रही और बेटी लौटकर नहीं आई। पास के पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए वहां के सीसीटीवी फुटेज की मदद से देखा - निधि शॉपिंग करके पार्किंग की तरफ जा रही है, तभी पीछे से बिना नंबर प्लेट के तेज गति से आती गाड़ी का दरवाजा खुला, किसी ने उसे गाड़ी के अंदर खींच लिया और गाड़ी सरपट भगा दी। अंधेरे के कारण सीसीटीवी कैमरे में किसी का भी चेहरा स्पष्ट नजर नहीं आया।" उसके मां-बाप से ज्यादा रुचिका सदमे में थी और जोर-जोर से बिलखते हुए-"उन दरिंदों के बराबर मैं भी कसूरवार हूं।" निधि के मां-बाप ने उसे प्यार से तसल्ली दी– "बेटी, खुद को दोष मत दो.. होनी अटल है।" डॉक्टरों के अनुसार- इसके साथ कई बार गैंगरेप किया गया है तथा यह दो दिन से भूखी-प्यासी भी है। लगता है चलती गाड़ी से धक्का दिए जाने के कारण इसके शरीर के अंदरूनी हिस्सों में आई गहरी चोटों का रक्तस्राव रुक नहीं रहा है। भीतर रक्त के थक्के जमने लगे हैं, जिससे स्थिति और गंभीर होती जा रही है। हाई बीपी के कारण अभी ऑपरेशन करना संभव नहीं है, इसलिए दवाइयों से इसे नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है। बेटी की हालत को देखते हुए उसके पापा उसे किसी अच्छे अस्पताल में शिफ्ट करने की विनती करने लगे, लेकिन उसकी नाजुक हालत को देखते हुए, पीजीआई के डॉक्टरों ने इसकी इजाजत नहीं दी ।

तभी डॉक्टर द्वारा निधि के होश में आने की खबर किसी चमत्कार से कम नहीं थी। अब सभी को उम्मीद की किरण नजर आने लगी तथा उसके इर्द-गिर्द जमा होकर भगवान का शुक्रिया अदा करने लगे। हम सबसे ज्यादा पुलिस को उसका बयान लेने की जल्दी थी। निधि होश में कम, बेहोशी में बड़बड़ाए जा रही थी–" छोड़ो.. छोड़ो.. दर्द.. हो.. रहा.. है.. तुम.. चार...गंदी..हरकत, मैं.. गाड़ी..से..कूद.." उसकी जुबान लड़खड़ा रही थी और वह जोर-जोर से सांसें ले रही थी। डॉक्टरों ने उसे नियंत्रित करने की बड़ी कोशिश की लेकिन उसकी जिंदगी फूलती सांसों से हार गई। जिंदगी की सरपट सड़क पर दौड़ती रुचिका अपने ही व्यंग्य बाणों से घायल थी-"दो वक्त की रोटी भी कमाकर नहीं खा सकती हो, कुछ तो शर्म करो, भरी जवानी में....।"

> वह एक प्रतिष्ठित कारोबारी की बेटी थी, जो विदेश की एक कंपनी में काम करती थी। उसकी मां बिलखते हुए बोली-"बेटी, दो दिन पहले स्कूटी से शाम को शॉपिंग करने बाजार गई थी।'

पुस्तक समीक्षा

सामाजिक प्रतिबद्धता व कलात्मक संतुलन है 'सदियों में गुज़रते पल'

समीक्षक

डॉ. कुमुद रामानंद बंसल

डॉ. नीरू मित्तल 'नीर' का लघुकथा संग्रह 'सदियों में गुज़रते पल' समकालीन हिंदी साहित्य में समय, समाज और संवेदना के अंतरसम्बंधों का गहन और सुस्पष्ट दस्तावेज है। यह कृति क्षणिक घटनाओं के पीछे छिपी उन संरचनात्मक सच्चाइयों को उद्घाटित करती है, जिनकी टीस सदियों तक बनी रहती है। शीर्षक का द्वंद्व 'पल' और 'सदियां'- व्यक्तिगत पीड़ा और सामूहिक स्मृति के बीच तनाव रचता है; यही तनाव इस संग्रह की वैचारिक धुरी भी है। विधागत दृष्टि से यह संग्रह समकालीन लघुकथा परंपरा में विवेक-प्रधान और नैतिक प्रश्नोन्मुख प्रवृत्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यहां कथाएं घटना-प्रधान सनसनी नहीं रचतीं, बल्कि विवेक को उकसाती हैं। लेखिका का सरोकार मनुष्य से है- उस मनुष्य से जो व्यवस्था में पिसता भी है और कभी-कभी उसी व्यवस्था का औजार भी बन जाता है। इसीलिए इन लघुकथाओं में प्रत्यक्ष उपदेश नहीं, बल्कि नैतिक असहजता का निर्माण है। संग्रह की उद्घाटन कथा 'सौदागर' सत्ता और राजनीति के यथार्थ को तीखे रूपक में ढालती है- जहाँ कंबल और राशन के बदले "दिमाग और आत्मा" खरीदे जाते हैं। सांप्रदायिक उन्माद पर आधारित 'अल्लाह और ईश्वर बह गए' में धर्म, भीड़ और हिंसा का गठजोड़ मानवीय विवेक को रक्तरंजित यथार्थ में बदल देता है। 'मैं ज़िंदा हूँ' तंत्र की त्रुटियों को इस हद तक उजागर करती है कि जीवित व्यक्ति अपनी पहचान से वंचित हो जाता है- यह संवेदनहीन व्यवस्था की तीखी आलोचना है। इस संग्रह का एक महत्त्वपूर्ण आयाम भीड़-मानसिकता और तमाशबीन समाज का विश्लेषण है। शिल्प की दृष्टि से लघुकथाएं सधी हुई हैं- भाषा सरल, संवाद स्वाभाविक और संरचना कसावपूर्ण। अंत चौंकाने के लिए नहीं, बल्कि सोच को गहरा करने के लिए आते हैं। डायरी-शैली, एकालाप और मानवेत्तर दृष्टि जैसे प्रयोग वैविध्य देते हैं, पर कथ्य पर हावी नहीं होते। इन रचनाओं की एक बड़ी शक्ति मौन का सौंदर्य है- शब्दों के बीच की रिक्तियां बोलती हैं, और वही अर्थ को गाढ़ा करती हैं। समग्रतः, सदियों में गुजरते पल समकालीन हिंदी लघुकथा को वैचारिक गहराई, सामाजिक प्रतिबद्धता और कलात्मक संतुलन प्रदान करने वाला सशक्त संग्रह है। इसे पढ़कर पाठक राहत नहीं, असुविधा के साथ उठता है और यही गंभीर साहित्य की सबसे बड़ी सफलता है। यह कृति सहानुभूति से आगे बढ़कर आत्मपरीक्षण और नैतिक उत्तरदायित्व की मांग करती है; इसी में इसकी स्थायी साहित्यिक महत्ता निहित है।

डॉ. नीरू मित्तल 'नीर'

कवि कॉर्नर

कविता | डॉ. कमलेश मलिक

समय की धार

सुपर पावर देश का बन स्वामी महान
ट्रंप ले आया हास्य विनोद का सामान
चार्ली चैपलिन से करतब दिखा- दिखा
तान लिया है उसने कीर्ति का वितान

चाहा था शांतिदूत का मिले पुरस्कार
अब भर रहा प्रतिदिन युद्ध में हुंकार
रह गया उलझ कर अपने ही जाल में
कमजोर नहीं दुश्मन , दे रहा ललकार

वर्चस्व जमाने कभी पहुंचा था वियतनाम
आठ साल लड़कर भी हुआ था नाकाम
अफगानिस्तान ने भी छक्के छुड़ा दिए भाग
कर आकाश का आंचल लिया थाम।

इज़राइल ने खींच लिए अपने तीर कमान
ट्रंप महाशय हंस कर बदलते रोज बयान
कूटनीति या पटाक्षेप ? है विश्व अचंभित
रही-सही साख कहीं ना ले बैठे ईरान!

निष्फल सारे हो गये महाशक्ति के वाण
कोई चारा नहीं जो मिले तेल की खान
काट के घोड़े कहां लड़ें मैदानी जंग
अमरीकी जनता दे दे अपने गुरु को ज्ञान

चिंतक की मुद्रा में है भारत का व्यवहार
नाप रहा है, तोल रहा वह समय की धार
तूफ़ानी आहट का है आभास उसे भी जो
नौका पार उतारे वह ढूंढ रहा पतवार।

कविता | सुधीर ढांडा कौल

सांसें भी घुटने लगी

अब धीरे धीरे गर्मी बढ़ने लगी है,
देखो हर चीज अब तपने लगी है।

बिन बिजली के गाँव व शहर में,
देखो सांसें भी अब घुटने लगी हैं।

घर से बाहर कोई कैसे निकले,
गर्म गर्म हवाएं जो चलने लगी हैं।

लोग अपने घरों में दुबकने लगे,
बाजारों की रौनक भी खोने लगी हैं।

गर्मी से पशु पक्षी सब हाँपने लगे,
तालाब बावड़ी सब सूखने लगी हैं।

जानवर जंगल से दूर भागने लगे,
जंगल में आग जो सुलगने लगी है।

होंठ सूखे से रहते हैं अब 'सुधीर,
अब प्यास भी ज्यादा लगने लगी है।

व्यंग्य | मधुकांत

नौरंगीलाल को मिल गया टिकट

नौरंगीलाल शाम को अपने ड्राइंग रूम में बैठे टीवी पर समाचार देख रहे थे। लोकसभा के चुनाव की घोषणा हो चुकी, आचार संहिता लग गई। नौरंगीलाल 10 वर्ष से कच्चे कर्मचारियों के रूप में काम कर रहा है अर्थात 10 वर्ष से उसके सिर पर कच्चे धागे से बंधी तलवार लटक रही है। 10 वर्ष पुराना धागा कमजोर हो चुका है, फिर भी न जाने कब टूट जाए और तलवार उसके सिर पर गिरे और वह लहूलुहान हो जाए।

चुनाव की घोषणा से पूर्व 10 वर्ष पुराने कर्मचारियों को पक्का आश्वासन दे रखा था कि उनको पक्का कर दिया जाएगा। प्रतिदिन अखबार में शुभ समाचार सुनने के लिए उसकी आंखें थक गई थी। शुभ समाचार तो नहीं आया परंतु एक दिन अचानक चुनाव की तारीख घोषित हो गई। नारंगी लाल के सिर पर लटकती तलवार लटकती ही रह गई। समाचारों से विरक्त नौरंगी आजकल धार्मिक चैनल देखने लगे। आज भी वह आस्था चैनल पर भगवान राम को सीता हरण के बाद विलाप करते हुए देख रहे थे, तभी अचानक द्वार पर दस्तक हुई। सीता को उठाकर अट्टास करते रावण का दृश्य देखकर नौरंगीलाल घबरा सा रहा था। इस घबराए मन से उठकर उसने द्वार खोला तो पांच खद्दरधारी नेताओं को देखकर चौंक गया, क्या मालूम रावण की भांति यह भी भेष बदलकर आए हों। आधा द्वार खोलकर उसने पूछा कहिए जनाब। अरे नौरंगीलाल जी, हम तो आपके लिए खुशखबरी लाए हैं और आप मिठाई खिलाने के बदले अभी तक हमें द्वार पर ही रोक हुए हो। द्वार के सामने से हटते हुए नौरंगीलाल ने पूछा क्या खुशखबरी है भाई मेरे लिए। पांचों खद्दरधारी अंदर जाकर सोफे पर बैठ गए। नेताजी यानी एमपी साहब इस चुनाव में आपको अपनी पार्टी से टिकट दिलवाना चाहते हैं। मुझे...मुझे क्यों भाई, नारंगी के चेहरे पर आश्चर्य से हवाइयां उड़ने लगी। ... क्योंकि आप इस क्षेत्र के सबसे ईमानदार व्यक्ति हो, हमारी पार्टी का नाम भी ईमानदार पार्टी है इसलिए एमपी साहब ने फैसला किया है कि अपने क्षेत्र के सबसे ईमानदार व्यक्ति से चुनाव लड़वाएंगे। पूरे क्षेत्र का सर्वेक्षण करवाया गया है, जिसमें सबसे अधिक ईमानदार व्यक्ति आपको ही पाया है, इसलिए नेताजी ने कल आपको पार्टी कार्यालय में बुलाया है नारंगीलाल जी मेरा नाम रामधन है, चुनाव जीतने के बाद आप हमको भूल नहीं जाना। नौरंगीलाल के सीने में आत्मविश्वास भर गया। चुनाव के लिए धन कहां से आएगा उन्होंने अपनी शंका प्रकट की। नौरंगीलाल जी, आप चिंता न करें नेताजी को सब पता है। ईमानदार आदमी के पास धन नहीं होता इसलिए आप पार्टी फंड से चुनाव लड़ेंगे।

नारंगी ने कभी सोचा भी नहीं था कि बिल्ली के भागों से चिक टूट पड़ेगा। यूं स्कूल में हिंदी अध्यापक ने एक बार निबंध लिखवाया था कि यदि मैं शिक्षा मंत्री बन जाऊं, निबंध में सबसे अधिक अंक उसके ही आए थे। नारंगी लाल ने कहा कि भाई साहब, आपकी बात तो ठीक है, अपने देश में नेताजी तो ईमानदार होने ही चाहिए, फिर भी भाई साहब, एक बार मैं अपनी पत्नी से पूछ लेता हूं क्योंकि मैंने उनके साथ सात फेरे लेते हुए वचन दिया था कि विशेष फैसलों का निर्णय लेते हुए मैं उनकी सलाह अवश्य लूंगा। उत्साह से नौरंगी लाल अंदर कमरे में चले गए। पत्नी भी दरवाजे की ओर खड़ी सब सुन रही थी। नौरंगी का कमीज खींच कर कोने में ले गई और बोली कि तुरंत हां कर दो जी, ऐसा मौका बार-बार नहीं आएगा। एक बार चुनाव जीत गए तो जन्म-जन्म की गरीबी धुल जाएगी। अरे क्या कह रही हो, ईमानदारी के कारण तो हमको टिकट मिल रहा है और तुम क्या बात करती हो। सब नेता लोग ईमानदार ही होते हैं और कोई व्यवसाय व्यापार भी नहीं करते, फिर भी उनकी धन-संपत्ति बढ़ती ही रहती है। जाओ, जल्दी से हां कर दो... कहते हुए पत्नी ने नौरंगी लाल को बाहर की ओर धकेल दिया। बैठक में पहुंचते ही नौरंगी लाल ने कहा कि टीनू की मम्मी ने हां कर दी है।

बहुत अच्छा... अब आपका टिकट पक्का समझो, हां चुनाव जीतकर हम पांचों को भूल नहीं जाना। मेरा नाम धनीराम है और कल 10:00 बजे आप तैयार रहना, मैं आपको गाड़ी में अपने साथ पार्टी कार्यालय ले जाऊंगा। तीसरे खद्दरधारी ने कहा ..अब हम चलते हैं। अरे भाई, कुछ चाय-नाश्ता नहीं करोगे क्या? नौरंगी ने औपचारिकतावश कहा। कल आपके साथ पार्टी कार्यालय में ही पार्टी करेंगे, पांचों खद्दरधारी हाथ मिलाकर बाहर निकल गए। उनके जाते ही नौरंगी की पत्नी तुरंत आ धमकी। टीनू के पापा, कमाल हो गया। अब आप बन जाओगे मंत्री जी लोग मुझे भी मंत्रानी जी पुकारेंगे। ईमानदार पार्टी ने तो हमारे लिए कमाल ही कर दिया भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं।

भागवान तू तो रोज मेरी ईमानदारी पर ताना मारती थी, मुझे रिश्वत लेने पर विवश करती थी।

क्या बात करते हो जी? मैं तो आपसे मजाक करती थी, मुझे अच्छे से मालूम है कि ऑनेस्टी इस द बेस्ट पॉलिसी और इसी ईमानदारी ने आपको टिकट दिलवाया है।

> *पूरे क्षेत्र का सर्वेक्षण करवाया गया है, जिसमें सबसे अधिक ईमानदार व्यक्ति आपको ही पाया है, इसलिए नेताजी ने कल आपको पार्टी कार्यालय में बुलाया है।*

मोटिवेशनल

आत्म-अनुशासन ही सफलता की कुंजी

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा सफल होना चाहता है। अच्छा करियर, पहचान, सम्मान और आत्मनिर्भर जीवन। अवसर भी पहले से कहीं अधिक हैं, संसाधन भी उपलब्ध हैं, लेकिन इसके बावजूद असंतोष, भ्रम और असफलता की भावना बढ़ती जा रही है। इसका कारण प्रतिभा या अवसरों की कमी नहीं, बल्कि उस मूल गुण की अनदेखी है जिस पर सफलता टिकती हैः आत्म-अनुशासन। हम अक्सर प्रेरणा की तलाश में रहते हैं। मोटिवेशनल वीडियो देखते हैं, किताबें पढ़ते हैं, सेमिनार सुनते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि प्रेरणा क्षणिक होती है, जबकि आत्म-अनुशासन वह शक्ति है जो बिना प्रेरणा के भी हमें आगे बढ़ाता है। जब मन न हो, तब भी सही काम करना, यही आत्म-अनुशासन है। आत्म-अनुशासन का अर्थ है, आराम से बाहर निकलकर प्रयास करना, बहानों को पहचानकर उनसे ऊपर उठना और लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहना। दुनिया का कोई भी सफल व्यक्ति केवल प्रतिभा या भाग्य के कारण नहीं, बल्कि अनुशासन के कारण आगे बढ़ा है। प्रतिभा अवसर दिला सकती है, लेकिन अनुशासन ही उस अवसर को परिणाम में बदलता है। आज की सबसे बड़ी चुनौती अवसरों की कमी नहीं है, बल्कि ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, तुरंत सफलता की चाह और दूसरों से तुलनाः ये सभी युवा को अस्थिर बनाते हैं। ऐसे समय में आत्म-अनुशासन ही वह कवच है, जो व्यक्ति को अपने लक्ष्य पर टिके रहने की शक्ति देता है। आत्म-अनुशासन किसी एक दिन में विकसित नहीं होता। यह रोज़ के छोटे-छोटे निर्णयों से बनता है। समय पर उठना, रोज़ कुछ नया सीखना, स्क्रीन टाइम को सीमित करना, जिम्मेदारी निभाना और खुद से किया गया वादा निभाना। यही छोटी आदतें लंबे समय में बड़े परिणाम देती हैं। आज का युवा चाहे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा हो, सरकारी नौकरी का सपना देख रहा हो, स्टार्टअप शुरू करना चाहता हो या किसी कौशल में विशेषज्ञ बनना चाहता हो- हर रास्ते की पहली शर्त आत्म-अनुशासन है। बिना अनुशासन के मेहनत बिखर जाती है। हमें यह भी समझना होगा कि असफलता अंत नहीं है। असफलता अक्सर अनुशासन की परीक्षा होती है। जो युवा गिरकर सीखता है और अनुशासन के साथ दोबारा उठता है, वही आगे चलकर मजबूत बनता है। आज जरूरत प्रेरणा से अधिक अनुशासन की है क्योंकि आत्म-अनुशासन ही वह आदत है, जो हर सपने को हकीकत में बदलने की ताकत रखती है।

लघु कथा

नैतिकता

डॉ. तबस्सुम जहां

कहानीकार

'सर आपको जन्मदिन बहुत-बहुत मुबारक।'

ओह संगीता, बहुत शुक्रिया। क्या हमारे जन्मदिन पर मुंह मीठा नहीं कराओगी?

संगीता को खटका हुआ। सर के इस वाक्य का आशय वह भली-भांति जानती है। एक साल से वह झेल रही है कि उसके निर्देशक कैसे पढ़ाते -पढ़ाते बिना बात विषय प्रेम और सेक्स से जोड़ देते हैं। वह अक्सर उनकी इन हरकतों पर सकपका जाया करती थी। चूंकि संगीता एक खुद्दार और स्वाभिमानी लड़की थी इसलिए डॉ. विमल कुमार के किसी झांसे में नहीं फंसती थी। कभी सख्ती से उनसे बोल भी देती 'प्लीज़ सर मुझसे ऐसी बातें न किया करें।'

उनकी बातों के लिजलिजेपन को वो बीते एक साल से झेल रही थी पर पीएचडी अटक जाने के डर से न तो सुपरवाइज़र बदल सकती थी और न ही परिस्थितियों से भाग सकती थी। और डॉ. विमल कुमार थे कि जब-तब उसके सामने प्रेम आग्रह करते रहते।

उस दिन भी विमल कुमार ने उसे टोका- 'फिर क्या सोचा संगीता तुमने'

'माफ़ कीजिए सर, आप मेरे गुरु हैं, मैं आपको पिता तुल्य मानती हूं। मेरी नैतिकता इसकी इजाज़त नहीं देती। आप मेरे पिता समान हैं।'

'तो एक काम करो, तुम मुझे पिता समझ कर गले लगा लो और मैं तुम्हें अपनी गर्लफ्रेंड समझ कर गले लगा लेता हूँ।' दोनों की नैतिकता बची रहेगी।

संगीता के शरीर में काटो तो खून नहीं। वह आवाक़ रह गई। आज उसे नैतिकता का नया पाठ पढ़ाया गया है, वो भी शिक्षा के मंदिर में। उसने घृणा से सिर झुका लिया।

कुछ हटकर

बी. टेक सीएससी के बाद करियर विकल्प

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

डिजिटल युग के सबसे प्रतिष्ठित पेशे बी.टेक (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) एक चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को कंप्यूटर सिस्टम, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा प्रोसेसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नेटवर्किंग जैसी आधुनिक तकनीकों की गहन समझ प्रदान करता है। इस कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग लैंग्वेज , डेटा स्ट्रक्चर, एल्गोरिद्म, डेटाबेस मैनेजमेंट, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी और मशीन लर्निंग जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल कोडिंग सिखाना नहीं है, बल्कि उन्हें तकनीकी समस्या समाधान, तार्किक सोच, और नवाचार की दिशा में सक्षम बनाना है।

उच्च शिक्षा के मौके

कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में अनेक शाखाएँ हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं। बी.टेक सीएसई के बाद विद्यार्थी अपनी पढ़ाई आगे बढ़ाकर विशेषज्ञता और करियर अवसर दोनों बढ़ा सकते हैं।

उच्च शिक्षा कार्यक्रम

- मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी
- मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डेटा एनालिटिक्स
- साइबर सिक्योरिटी, या क्लाउड कंप्यूटिंग
- अंतरराष्ट्रीय सर्टिफिकेशन
- अमेज़न वेब सर्विस
- माइक्रोसॉफ्ट अजोर
- गूगल क्लाउड
- सिस्को सीसीएनऐ
- कॉम्प टीए सिक्योरिटी

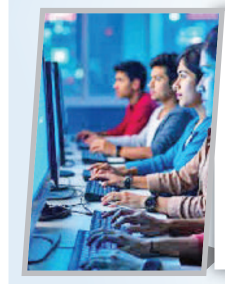

आवश्यक कौशल

कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। सफल करियर के लिए विद्यार्थियों में तार्किक एवं विश्लेषणात्मक सोच, समस्या समाधान और नवाचार की क्षमता, प्रोग्रामिंग एवं कोडिंग दक्षता, डेटा विश्लेषण एवं साइबर सुरक्षा समझ आदि क्षमताओं का होना आवश्यक है।

निजी क्षेत्र में विकल्प

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के इस युग में बी.टेक सीइसई स्नातकों की मांग देश-विदेश दोनों में लगातार बढ़ रही है। टेक कंपनियां, बैंकिंग सेक्टर, फिनटेक, ई-कॉमर्स, और क्लाउड-आधारित उद्योगों में इनकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन 4 से 8 लाख वार्षिक के बीच होता है, जो अनुभव और विशेषज्ञता के साथ 15 से 25 लाख वार्षिक या उससे अधिक तक पहुँच सकता है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, इनफ़ोसिस, टीसीएस, एक्सेंचर, और आईबीएम जैसी कंपनियाँ इन स्नातकों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं। विद्यार्थी तकनीकी सेवाओं, अनुसंधान, साइबर सुरक्षा और डेटा प्रबंधन से जुड़ी सरकारी नौकरियों में योगदान दे सकते हैं।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातक की प्रारंभिक आय 4 से 6 लाख वार्षिक होती है, जबकि उच्च पदों और अनुभव के साथ यह आय 12 से 15 लाख वार्षिक तक हो सकती है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

छापेमारी कर 71 सिलेंडर किए जब्त

हिसार। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की ओर से गैस की सप्लाई सुचारू रखने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत दुकानों से 71 गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि हिसार शहर, उकलाना, बरवाला, आदमपुर, नारनौंद व हांसी के क्षेत्रों में स्थापित ढाबों व दुकानों पर छापेमारी करते हुए 71 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि जिला हिसार में 34 गैस एजेंसी कार्यरत है, जिनके द्वारा औसतन 9000-9500 घरेलू गैस सिलेंडर दैनिक आधार पर उपभोक्ताओं को डिलीवर किए जा रहे है।

महेश लायंस क्लब हिसार ए फिरोजा के प्रधान बने

हिसार। लायंस क्लब हिसार ए फिरोजा की बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए महेश चौधरी को प्रधान चुन लिया गया। एचआर नारंग व डॉ. मनीष जुनेजा की देखरेख में हुए चुनाव में प्रधान पद के लिए हरीश छाबड़ा ने महेश चौधरी नाम प्रस्तावित किया जिसका सभी क्लब सदस्यों ने समर्थन किया। करतल ध्वनि से महेश चौधरी को सर्वसम्मति से प्रधान चुन लिया गया। आगे की कार्यकारिणी जल्द ही गठित की जाएगी। बैठक में क्लब के सदस्य अशोक नागपाल, पवन सरदाना, बीसी गोयल, सुरेंद्र नैन, मुकेश बजाज, राजेश बहार, सुरेंद्र बजाज, अशोक मेहता, दुनीचंद गोयल, अश्विनी नारंग, महेश नारंग, डॉ. पंकज अरोड़ा, सुनील कक्कड़ के अलावा महिला सदस्य भी उपस्थित रही।

घर लौट रहे बाइक सवार की सड़क हादसे मे मौत

हांसी। भिवानी रोड स्थित जीता खेड़ी के पास सब्जी बेच कर घर लौट रहे एक व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान गांव हाजमपुर निवासी 52 वर्षीय गुरदास के रूप में हुई है वहीं, घायल व्यक्ति ढाणी केंदू निवासी 42 वर्षीय नवीन कुमार है। सूचना मिलने पर बवानीखेड़ा थाना पुलिस ने अस्पताल पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर परिजनों के बयान पर वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज करके शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप मामले जांच आरंभ कर दी है।

पौधरोपण अभियान के तहत लगाए 1001 पौधे

हिसार। जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल के जन्मदिन के अवसर पर कंपनी के हिसार परिसर के निकट स्थित विद्यालयों और अस्पतालों के आसपास एक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस पहल में कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और लगभग 1001 पौधे रोपकर पर्यावरण के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ रूप से दर्शाया। जिंदल स्टेनलेस अपनी लागत प्रतिस्पर्धात्मकता और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए अपने एकीकृत परिचालन पर निर्भर है। वर्ष 1970 में स्थापित, जिंदल स्टेनलेस नवाचार और जीवन को समृद्ध बनाने के दृष्टिकोण से प्रेरित है और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए प्रतिबद्ध है।

युवाओं को स्टार्टअप के लिए किया प्रेरित

आदमपुर। राजकीय पॉलिटेक्निक मंडी आदमपुर के उद्यमिता प्रकोष्ठ की ओर से विद्यार्थियों में स्वरोजगार और नवाचार की भावना विकसित करने के उद्देश्य से उद्यमिता जागरूकता विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान की सभी शाखाओं के लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विनेश नागपाल एवं पराश, वरिष्ठ संकाय सदस्य आईईसीएस, हिसार उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि आज के समय में केवल नौकरी पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं का उद्योग या व्यवसाय शुरू करना भी एक बड़ा अवसर है। उन्होंने सफल उद्यमी बनने के लिए नवाचार, कौशल विकास, जोखिम लेने की क्षमता और निरंतर सीखते रहने के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

पुलिस ने नशा तस्करों की सप्लाई चेन तोड़ने के लिए चलाया सर्च अभियान

नशे पर शिकंजा : पुलिस की 57 टीमों ने फ्लैटों में ली तलाशी

सिरसा। सर्च अभियान चलाते पुलिस कर्मचारी।

फतेहाबाद। युवाओं को नशे से बचने के लिए दवाईयां उपलब्ध करवाती नशामुक्ति टीम।

कर्मचारियों ने आमजन को जागरूक भी किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस द्वारा नशा तस्करों की सप्लाई चेन तोडने व नशे की डिमांड को खत्म करने के उद्देश्य से रविवार अल सुबह सिरसा शहर के हुडा सेक्टर 19 के फ्लैटों में सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशा तस्करी में संलिप्त लोगों के घरों की तलाशी ली। सिरसा के एसपी दीपक सहारण ने बताया कि इस अभियान में 57 टीमों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि सर्च ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य नशे में संलिप्त व नशे का कारोबार करने वाले लोगों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने के लिए चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान जहां नशे का कारोबार करने वाले के खिलाफ पुलिस ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है, वहीं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक भी किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने गली, गांव तथा मोहल्ले की पूरी जिम्मेदारी लें तथा सिरसा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लें ताकि समाज को पूरी तरह से नशा एंव अपराध मुक्त किया जा सके । नशा मानव जीवन के लिए एक अभिषाप है, इसलिए नशे जैसी सामाजिक बुराई को जड़ मूल से समाप्त करने के लिए समाज के सभी लोगों को आगे आकर नशे का कारोबार करने वालों का सामाजिक बहिष्कार करना चाहिए। एसपी ने बताया कि पुलिस के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा समय-समय पर सेमिनार व गोष्ठियों के माध्यम से शहर व गांवों में भ्रमण कर लोगों को नशा जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ लगातार जागरूक भी किया जा रहा है जिसके काफी सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने आमजन से आह्वान करते हुए कहा कि जिला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे इस अभियान में सामाजिक संस्थाएं, ग्राम पंचायतें पुलिस का पूरा सहयोग करें ताकि इस अभियान को सफलता के शिखर तक ले जाया जा सकें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि नशे के खतरे से लड़ने के लिए युवाओं को विशेष रुप से आगे आना चाहिए।

पुलिस ने की 5 ड्रग पीड़ितों की काउंसलिंग

फतेहाबाद। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर के दिशा-निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए नशा मुक्ति टीम ने न केवल लोगों को जागरूक किया, बल्कि नशे की दलदल में फंसे 5 युवाओं को चिन्हित कर उनकी काउंसलिंग भी की। नशा मुक्ति टीम के प्रभारी एसआई सुंदर के नेतृत्व में टीम ने रविवार को नागरिक अस्पताल फतेहाबाद का दौरा किया। यहाँ उपचाराधीन नशा पीड़ितों से बातचीत कर उनका कुशलक्षेम जाना और उन्हें नशे के खिलाफ मानसिक रूप से मजबूत रहने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात टीम ने गांव नाढोडी में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जहां ग्रामीणों को नशे के सामाजिक और स्वास्थ्य पर पडने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया गया। अभियान के दौरान टीम ने गांव नाढोडी से 3 और भूना क्षेत्र से एक सहित कुल 5 नशा पीड़ितों की पहचान की। इन पीड़ितों की काउंसलिंग के बाद उन्हें नशा छोडने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उनकी शारीरिक स्थिति को देखते हुए पुलिस टीम ने उन्हें आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाएं भी उपलब्ध करवाई, ताकि वे धीरे-धीरे इस लत से बाहर आ सकें। पुलिस टीम ने नशा पीड़ितों के परिवारों से भी मुलाकात की। एसआई सुंदर ने परिजनों से अपील की कि वे पीड़ितों के प्रति सहानुभूति रखें और उन पर निरंतर निगरानी रखें।

गोसेवा जीवन को संस्कारित करने का माध्यम : शरणानंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव काजल हेड़ी स्थित श्री कृष्ण प्रणामी गोशाला में आयोजित श्री धेनू मानस गोकथा के पांचवें दिन समूचा परिवेश आध्यात्मिक रश्मियों से आलोकित हो उठा। जैसे-जैसे कथा अपने मध्य चरण की ओर अग्रसर हो रही है। श्रद्धालुओं का आत्मिक जुड़ाव और भक्ति भाव और अधिक गहराता जा रहा है। रविवार को कथा स्थल पर पहुंचते ही भक्तों को एक ऐसी दिव्य शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ, जिसने इस पावन आयोजन की गरिमा में चार चांद लगा दिए। कथा व्यास एवं ब्रह्मलीन गौ ऋषि स्वामी राजेंद्रानंद महाराज के शिष्य गोविंदशरणानंद महाराज ने पंचम दिवस के प्रसंगों का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में गौ माता को सर्वदेवमयी कहा गया है। गौ माता केवल एक पूजनीय स्वरूप ही नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के संतुलन और मानव कल्याण की धुरी हैं। आचार्य ने कहा गोसेवा केवल एक धार्मिक कर्तव्य नहीं, अपितु मानव जीवन को संस्कारित करने का श्रेष्ठ माध्यम है। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रेरित किया कि जो भी व्यक्ति निष्काम भाव से गोमाता का संरक्षण और सम्मान करता है, उसके जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का स्वतः ही वास होने लगता है।

लोगों ने कथा का लिया आनंद

बढ़ते तनाव और भौतिकवाद पर प्रहार करते हुए आचार्य महाराज ने कहा कि आज का मनुष्य आधुनिकता की दौड़ में अपने मूल आध्यात्मिक मूल्यों को भूलता जा रहा है। ऐसे में श्री धेनू मानस जैसी कथाएं आत्मशुद्धि का मार्ग प्रशस्त करती हैं। उन्होंने संदेश दिया कि कथा का श्रवण तभी सार्थक है, जब उसके सार को जीवन के व्यवहार में उतारा जाए। इस अवसर पर आचार्य स्वामी विश्वात्मानंद महाराज ने भी अपने सारगर्भित वचनों से श्रद्धालुओं को निहाल किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक दुड़ाराम, जिला परिषद चेयरमैन प्रतिनिधि सुभाष खिचड़, खजूरी के सरपंच सीताराम पूनिया, सरपंच प्रतिनिधि जगतपाल गोदारा, गौशाला प्रधान विनोद सेठ, मनोहर कालीराणा, सुरेंद्र डारा और सुभाष गोदारा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत कर कथा का आनंद लिया और गौ सेवा का संकल्प दोहराया।

कार्तिक और अमनदीप बने बेस्ट प्लेयर

गुमटसर अकादमी में खेल प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

श्री गुमटसर स्पोट्र्स टैलेंट लाइव ट्रस्ट रतिया द्वारा रविवार को बाई पास रोड पर बनी गुमटसर अकादमी के खेल मैदान में प्रतियोगिता करवाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीमा अरोड़ा ने हरी झंडी दिखाकर खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया इस प्रतियोगिता में बच्चों ने लॉग जंप , हाई जंप 200 मीटर रेस शाटपुट, रस्सा कस्सी एंड हैंडबाल के मुकाबलों में भाग लिया। गुमटसर अकादमी रतिया के संचालक व कोच हरदीप सिंह बोला ने बताया कि प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन पर लडक़ो में कार्तिक व लड़कियों में अमनदीप कौर को बेस्ट प्लेयर चुना गया है। इसके अलावा रिले रेस में दलीप ,परवाल, पवनी की टीम ने प्रथम, कर्ण, चांदी ,बख्शनूर, कार्तिक की टीम द्वितीय स्थान पाया। थ्रो बाल में नाहरका मोहल्लो टीम प्रथम, खोखर ढाणी की टीम द्वितीय रही व लड़कियों के ओपन वर्ग की 200 मीटर रेस में अमनदीप कौर, हरदीप कौर, रिंकूरानी ने बाजी मारी।

ये रहा परिणाम

800 मीटर रेस में अश्मिता, जसविन्द्र कौर, प्रीत कौर, शाटपुट में अमनदीप कौर, गीता रानी, खुशी सैनी, लॉन्ग जम्प में बख्शनूर, पावनी जैन, परवाज सैनी, 3 किलोमीटर चाल रेस में अंजू रानी, शैफी, कणिका, डिस्कस थ्रो में रमनदीप कौर, रीटा अरोडा, सिमरन कौर व 60 मीटर रेस में यशिका गोयल, कोमल, गुरलीन पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। ओपन वर्ग लडक़ों की प्रतियोगिता की 5 किलोमीटर रेस में कार्तिक, युवराज, हरविन्द्र चांदी, 3 किलोमीटर वॉक रेस में दलीप कुमार, भविन्दर सिंह, बवनदीप सिंह ने बाजी मारी। विजेताओं को मुख्यातिथि ने मेडल देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर छिन्द्रपाल कौर, रिंकू रानी, अमनदीप कौर, हरदीप सिंह, संदीप, दर्शन सिंह, गुरप्रीत, श्रवण, हरबंस, अमनदीप कौर, इन्द्रजीत समरा, गुरप्रीत सिंह सहित अन्य गनमान्य व्यक्ति मौजूद थे

फास्टैग रिचार्ज के नाम पर हो सकती है ठगी

एसपी ने नागरिकों के लिए विस्तृत साइबर सुरक्षा एडवाइजरी की जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

अगर आप भी अपने वाहन के फास्टैग को रिचार्ज करते समय सस्ते ऑफर या भारी कैशबैक की तलाश में रहते हैं, तो सावधान हो जाइए। आपकी एक छोटी सी लापरवाही बैंक खाते को पूरी तरह खाली कर सकती है। फतेहाबाद की पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने जिले के नागरिकों के लिए एक विस्तृत साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। एसपी निकिता खट्टर ने बताया कि हाल के दिनों में फास्टैग रिचार्ज और एनुअल पास के नाम पर साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़े हैं। साइबर अपराधी लोगों को सस्ता रिचार्ज या स्पेशल कैशबैक का लालच देकर फर्जी लिंक भेजते हैं। जैसे ही कोई यूजर इन लिंक पर क्लिक करता है, वह ठगों द्वारा बनाई गई क्लोन वेबसाइट पर पहुंच जाता है, जहाँ उसकी बैंकिंग डिटेल्स चोरी कर ली जाती हैं। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि ठग खुद को एनएचएआई, बैंक या किसी अधिकृत एजेंसी का कर्मचारी बताकर कॉल करते हैं। वे यूजर्स को डराते हैं कि उनका फास्टैग बंद होने वाला है या केवाईसी अपडेट करना अनिवार्य है।

ठगी होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें

इस बहाने से वे यूजर से ओटीपी, कार्ड नंबर और सीवीवी जैसी गोपनीय जानकारी हासिल कर लेते हैं और पलक झपकते ही खाते से पैसे उड़ा देते हैं। ठगी से बचने के लिए एसपी ने कहा फास्टैग रिचार्ज हमेशा बैंक के आधिकारिक ऐप, भीम यूपीआई या एनएचएआई की वेबसाइट से ही करें। एसएमएस या व्हाटसएप पर आने वाले किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। कॉल पर कभी भी अपना ओटीपी, पिन या बैंक डिटेल किसी को न बताएं। बैंक कभी भी फोन पर ऐसी जानकारी नहीं मांगता। गूगल सर्च पर मिलने वाले कस्टमर केयर नंबर फर्जी हो सकते हैं। हमेशा आधिकारिक ऐप पर दिए गए नंबरों का ही प्रयोग करें। एसपी ने कहा कि यदि आप किसी साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं या आपको कोई संदिग्ध कॉल आता है, तो बिना देरी किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। इसके अलावा, ऑनलाइन अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। एसपी ने जोर देकर कहा कि सतर्कता और जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी हथियार है।

60 यूनिट रक्त संग्रह, समाज सेवा का दिया संदेश

शेखुपुर दड़ौली में रक्तदान शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

गांव शेखुपुर दड़ौली के पीएम श्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर पूर्व सरपंच स्वर्गीय सुरजाराम भदरेचा एवं स्वर्गीय निम्बो देवी की पावन स्मृति में आयोजित किया गया, जिसमें कुल 60 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। शिविर का शुभारंभ सरपंच सुमन सुथार ने किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा पुण्य कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद को नया जीवन मिलता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे जागरूक होकर इस नेक कार्य में बढ़-चढक़र भाग लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि उन्हें समाज सेवा के क्षेत्र में आगे आना चाहिए और हर सामाजिक गतिविधि में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इस दौरान सरपंच सुमन सुथार ने खुद रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते हुए खुद रक्तदान किया। एवं पौध भेंट कर सम्मानित किया गया।

भट्टूकलां। शिविर में रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते अतिथिगण।

मिसाल की पेश

शिविर में डॉक्टर नरेंद्र धामू ने 23वीं बार रक्तदान कर एक मिसाल पेश की। कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य श्रवण कुमार सिहाग, प्राध्यापक नत्थूराम मांडन, चेयरमैन प्रदीप मांडन, जगदीश भदरेचा, समाजसेवी प्रवेश भदरेचा, रणसिंह, विरेंद्र तंवर, हिमांशु, नरेंद्र कुमार, केवल कालवां, कृष्ण कुमार, रमेश कुमार, मैनेजर भाटी, सुशील कुमार व सुमन देवी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम विजेताओं को किया सम्मानित

- राजकीय सीनियर सेकेंडरी बॉयज स्कूल में हुई खेल प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

राजकीय सीनियर सेकेंडरी बॉयज स्कूल में नागर स्पोट्र्स टाइले लाइव एकेडमी रतिया के तत्वाधान में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन एकेडमी के संचालक व कोच रघुवीर और कोच सपना रानी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ इंकलाबी नौजवान सभा हरियाणा के राज्य अध्यक्ष गुरप्रीत गोपी रतिया द्वारा किया गया। उन्होंने खिलाडिय़ों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा की खिलाडिय़ों को हमेशा खेल की भावना और अनुशासन के साथ खेलना चाहिए। खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है, बल्कि यह टीम भावना और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करता है। कोच रघुवीर ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

अंजू रानी की टीम बनी विजेता

शानदार प्रदर्शन करते हुए अंजू रानी की टीम विजेता रही, जबकि प्रियंका रानी की टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। 400 मीटर दौड़ में नीरज चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजय दूसरे और अरमान तीसरे स्थान पर रहे।200 मीटर दौड़ में शुभम ने पहला, शिवा ने दूसरा और अंश ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।100 मीटर दौड़ महिला वर्ग में अंजू रानी ने प्रथम स्थान पाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि गुरप्रीत गोपी और कोचों द्वारा विजेता खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

खेत में चल रही भट्टी से अवैध शराब बरामद, दो गिरफ्तार

एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला पुलिस द्वारा अवैध शराब के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सीआईए रतिया ने दो आरोपियों को काबू कर अवैध शराब बनाने की भट्टी का भंडाफोड़ किया है। सीआईए रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान लोहारी चौक पर मौजूद थी। इसी दौरान गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि नहर के पास खेत में भट्टी लगाकर अवैध शराब तैयार की जा रही है। सूचना के आधार पर तुरंत रेडिंग पार्टी गठित कर मौके पर दबिश दी गई, जहां दो व्यक्ति भट्टी संचालित करते हुए पाए गए। पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को मौके से काबू कर लिया। आरोपियों की पहचान मिठु पुत्र राजाराम व बन्ता सिंह पुत्र चंद सिंह निवासी रतिया के रूप में हुई। मौके से अवैध शराब, लगभग 100 लीटर लाहन, गैस भट्टी, ड्रम तथा अन्य उपकरण बरामद किए गए। इस संबंध में थाना शहर रतिया में एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गांव दौलतपुरिया में जागरूकता अभियान का आयोजन

‘डिजिटल अरेस्ट’ जैसे फ्रॉड से बचने की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

डिजिटल ठगी के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने के लिए फतेहाबाद पुलिस द्वारा चलाया जा रहा जागरूकता अभियान अब गांवों तक पहुंच गया है। इसी कड़ी में गांव दौलतपुरिया में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा के गुर सिखाए गए। थाना साइबर क्राइम में तैनात महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम ने ग्रामीणों को डिजिटल अरेस्टिंग जैसे नए और खतरनाक फ्रॉड के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार अपराधी खुद को पुलिस या सीबीआई अधिकारी बताकर वीडियो कॉल के जरिए लोगों को डराते हैं और उन्हें घर में ही अरेस्ट होने का झांसा देकर लाखों रुपये ऐंठ लेते हैं। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि अपनी फोटो, लोकेशन या बैंक से जुड़ी जानकारी सोशल मीडिया पर अनजान लोगों के साथ साझा न करें।

फतेहाबाद। गांव दौलतपुर में युवाओं को जागरूक करते महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता।

अनजान लिंक्स पर क्लिक करने से बचे

व्हाट्सएप या मैसेज पर आने वाले लुभावने और अनजान लिंक्स पर क्लिक करने से बचें, क्योंकि ये आपके फोन का डाटा हैक कर सकते हैं। किसी भी अनजान कॉल पर बैंक डिटेल या ओटीपी न दें। महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता ने ग्रामीणों से अपील की कि यदि उनके पास कोई संदिग्ध कॉल या मैसेज आता है, तो घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। पुलिस या कोई भी सरकारी एजेंसी फोन पर पैसे की मांग नहीं करती। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत नजदीकी पुलिस थाने में संपर्क करें या राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। ग्रामीणों को प्रेरित किया गया कि वे न केवल खुद सतर्क रहें, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी इन खतरों के प्रति जागरूक करें।

खबर संक्षेप

घरेलू गैस की कालाबाजारी पर होगी सख्त कार्रवाई

सिरसा। जिले में घरेलू गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है और वितरण कार्य सुचारू रूप से जारी है। गत दिवस कुल 6198 घरेलू गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी की गई। विभाग की टीमें लगातार गैस एजेंसियों का निरीक्षण कर रही हैं और स्टॉक की नियमित जांच की जा रही है, ताकि कहीं भी किसी प्रकार की कमी की स्थिति उत्पन्न न हो। जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नियंत्रक हरवीर सिंह ने बताया कि जिले में गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है और उपभोक्ताओं को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही डिलीवरी दी जा रही है।

मनुष्य जीवन में गुरु का स्थान अति महत्वपूर्ण

सिरसा। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान हुड्डा स्थित शाखा में साप्ताहिक सत्संग का आयोजन किया गया, जिसमें साध्वी पूषा भारती ने कहा कि मनुष्य जीवन में गुरु का स्थान बहुत महत्वपूर्ण होता है। एक शिष्य के जीवन में गुरु की आज्ञा सर्वोपरि है। गुरु और शिष्य के सर्वोत्तम संबंध में नियमों का स्थान होता है। उन्होंने कहा कि हालांकि ये आज्ञा कठोर अवश्य लगती है, कभी-कभी तो निजी आजादी के अवरोधक भी, परन्तु यह सर्वविदित है कि जो नदी स्वयं को बांध के समक्ष समर्पित कर देती है, वही संयमित होकर बिजली उत्पन्न करने में सक्षम होकर करोड़ों लोगों के जीवन को रोशनी देने का माध्यम बन जाती है।

24 घंटे मंडियां खुली रखने का फैसला सराहनीय

सिरसा। भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं जिला प्रवक्ता डा. गंगा सागर केहरवाला ने कहा कि हरियाणा सरकार ने किसान हित में एक और बड़ा व ऐतिहासिक कदम उठाया है। रबी की फसलों की खरीद के लिए अब मंडियां 24 घंटे खुली रहेंगी। रविवार को जारी बयान में केहरवाला ने कहा कि किसान रात को भी अपनी फसल मंडी में ला सकेंगे और रात को ही उनको गेट पास भी जारी होंगे।

मालिक की खोज बाहर नहीं, अपने अंदर करनी है

कालांवाली। डेरा जगमालवाली में रविवार को सत्संग का आयोजन हुआ और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। संत बिरेंद्र सिंह ने कहा कि हमें बैठकर ये विचार करना चाहिए कि हमें ये जीवन किसलिए मिला है, क्या हमें ये जीवन जमीन जायदाद, व्यापार, खेती इनको जोडने के लिए मिला है। इस जीवन में हमें भजन सिमरन करके जन्म मरण के बंधन से छुटकारा पाना है। ये जीवन जो हमें मिला है, यह बड़ा कीमती है, लेकिन हमें इसकी कद्र ही नहीं है।

नंबरदारों ने मंडी नियमों में छूट की मांग की

सिरसा। नंबरदार एसोसिएशन की जिला स्तरीय मीटिंग टाउन पार्क सिरसा में हुई। मीटिंग में सभी नंबरदारों ने अपने विचार सांझा किए। नंबरदारों ने सरकार से मांग की है कि किसानों के लिए मंडी में फसलें लाने के लिए जो कड़े नियम बनाए गए हैं, जैसे गेट पर बायोमेट्रिक, ट्रैक्टर-ट्रॉली पर नंबर सहित अन्य नियमों में नरमी बरती जाए या इन्हें पूर्णतया हटाया जाए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में जो बेमौसमी बरसात व ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ है, उनकी स्पैशल गिरदावरी करवाकर किसानों को राहत पहुंचाई जाए।

कार्यप्रणाली, रिकॉर्ड प्रबंधन, मालखाना व्यवस्था व अनुशासन को लेकर दिए दिशा-निर्देश

सभी शिकायतें पारदर्शिता और समय पर निपटाएं अधिकारी: निकिता खट्टर

रिकॉर्ड रजिस्टर, रोजनामचा, लंबित मामलों, शिकायतों के निस्तारण तथा दस्तावेजों के रख-रखाव की बारीकी से समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। टोहाना थाने का निरीक्षण कर रहीं एसपी निकिता खट्टर।

जिले की नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने रविवार को टोहाना क्षेत्र की विभिन्न पुलिस इकाइयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना शहर टोहाना, थाना सदर टोहाना तथा सीआईए टोहाना का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत थाना शहर टोहाना से की गई, जहां थाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर का निरीक्षण करते हुए रिकॉर्ड रजिस्टर, रोजनामचा, लंबित मामलों, शिकायतों के निस्तारण तथा दस्तावेजों के रख-रखाव की बारीकी से समीक्षा की।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अभिलेख अपडेट व सुव्यवस्थित होने चाहिए तथा प्रत्येक मामले में पारदर्शिता और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, ड्यूटी व्यवस्था और कर्मचारियों की उपस्थिति का भी जायजा लिया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक थाना सदर टोहाना पहुंचीं, जहां थाना प्रभारी निरीक्षक शादी राम ने उन्हें थाना की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने विशेष रूप से मालखाना का निरीक्षण किया और जब्त संपत्ति के सुरक्षित रख-रखाव, उचित रिकॉर्डिंग तथा समय पर निपटान के संबंध में सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मालखाना प्रबंधन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए जांच अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों का निष्पक्ष व शीघ्र निपटान सुनिश्चित किया जाए। इसके बाद पुलिस अधीक्षक सीआईए टोहाना पहुंचीं, जहां प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार मौजूद रहे। उन्होंने सीआईए यूनिट की कार्यप्रणाली, अपराध नियंत्रण से संबंधित कार्रवाई, विशेष अभियानों तथा चल रहे मामलों की प्रगति की समीक्षा की। पुलिस अधीक्षक ने टीम को निर्देश दिए कि संगठित अपराध, चोरी, लूट व अन्य गंभीर मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को जल्द से जल्द काबू किया जाए तथा अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। निरीक्षण के दौरान डीएसपी टोहाना श्री जय भगवान भी मौजूद रहे और उन्होंने संबंधित इकाइयों की गतिविधियों के बारे में पुलिस अधीक्षक को विस्तृत जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को अनुशासन बनाए रखने, ड्यूटी के प्रति पूर्ण निष्ठा रखने तथा कार्य में लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

आमजन की समस्याओं का समाधान पुलिस की पहली जिम्मेवारी : एसपी

एसपी निकिता खट्टर ने कहा कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना पुलिस की पहली जिम्मेदारी है। थाना में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के साथ सौम्य, संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार किया जाए तथा उनकी शिकायतों का त्वरित व निष्पक्ष निपटान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनी रहनी चाहिए ताकि आमजन का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। पुलिस अधीक्षक ने यह भी निर्देशित किया कि सभी इकाइयां आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और सूचना तंत्र को मजबूत बनाएं, ताकि अपराधों की रोकथाम में और अधिक सफलता प्राप्त की जा सके। उन्होंने कहा कि नियमित निरीक्षण, प्रभावी निगरानी और जवाबदेही तय करने से ही पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। जिला पुलिस द्वारा इस प्रकार के औचक निरीक्षण आगे भी निरंतर जारी रखे जाएंगे, ताकि कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखते हुए अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके तथा आमजन को सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा सके।

भूना। बरसाती पानी निकासी परियोजना को लेकर 4 किमी पाइपलाइन बिछी हुई

30 करोड़ की बरसाती पानी निकासी परियोजना तेज

- चार किमी पाइपलाइन बिछी; मानसून से पहले काम पूरा करने का दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

शहर को हर साल जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए प्रशासन ने मानसून से पहले तैयारियां तेज कर दी हैं। करीब 30 करोड़ रुपए की लागत से चल रही बरसाती पानी निकासी परियोजना पर तेजी से काम जारी है। शहर के बीच स्थित गंदे पानी के तालाब से लेकर महमदपुर सोत्र गांव के पास रंगोली नाले तक करीब 15 किलोमीटर लंबी अंडरग्राउंड पाइपलाइन बिछाई जा रही है। इसमें से रतिया रोड पर लगभग 4 किलोमीटर पाइपलाइन दबाने का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि बाकी कार्य दिन-रात जारी है। इसके अलावा जन स्वास्थ्य विभाग की प्रोजेक्ट इकाई की निगरानी में पुरानी व नई जनता धर्मशाला के बीच तालाब से लेकर उधम सिंह चौक होते हुए उप तहसील कार्यालय तक आरसीसी मोगे डालने का काम भी नियमित रूप से चल रहा है। अधिकारियों का दावा है कि पूरे प्रोजेक्ट को मानसून से पहले हर हाल में पूरा कर लिया जाएगा, ताकि शहरवासियों को जलभराव से राहत मिल सके। हालांकि निर्माण कार्य के दौरान अनियमितताओं की शिकायतें भी सामने आई हैं। आईसीसी पाइपलाइन के नीचे निर्धारित 6 इंच बेस नहीं बनाए जाने को लेकर शिकायत डीसी तक पहुंची, जिस पर संबंधित ठेकेदार और जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाई गई।

करोड़ों का हुआ था नुकसान

गौरतलब है कि सितंबर 2022 और अगस्त 2025 में भूना शहर को भारी जलभराव का सामना करना पड़ा था। कई दिनों तक सड़कों और घरों में पानी भरने से आमजन को भारी परेशानी झेलनी पड़ी और करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ था। इसी के मद्देनजर सरकार ने इस स्थायी समाधान वाली परियोजना को मंजूरी दी थी। नगर पालिका चेयरपर्सन अर्पणा पसरीजा और वाइस चेयरमैन नरेंद्र बागड़ी का कहना है कि यह परियोजना पूरी होने के बाद शहर को जलभराव की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी।

किसानों पर थोपी शर्तों को वापस ले सरकार: अभय चौटाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने कहा कि राज्य सरकार किसानों व आढ़तियों के लिए थोपे गए गैर तार्किक फैसले वापस ले, अन्यथा वे दस अप्रैल के बाद सख्त निर्णय लेने पर बाध्य होंगे। अभय चौटाला रविवार को सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने जिस प्रकार की गैर तार्किक शर्तें किसानों के लिए लगाई हैं, उससे किसान बुरी तरह से परेशान है मगर इनेलो ने उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर जिले व कस्बे में किसान कष्ट निवारण केंद्र स्थापित किए हैं जहां पार्टी के कार्यकर्ता परेशान किसानों की हरसंभव मदद करेंगे। अभय चौटाला ने कहा कि बाजार में क्रय व विक्रय करने वाले अन्य किसी भी क्षेत्र में बायोमेट्रिक व्यवस्था लागू नहीं है तो फिर किसानों पर ही इसे क्यों लागू किया जा रहा है? उन्होंने कहा कि पोर्टल व्यवस्था केवल अंबानी, अडाणी जैसे पूंजीपतियों को लाभ देने के लिए ही लागू की गई है और सरकार एमएसपी को पूरी तरह से खत्म करना चाहती है।

सिरसा। पत्रकारों से बातचीत करते इनेलो नेता अभय चौटाला।

किसानों को दें मुआवजा

अभय चौटाला ने कहा कि जिन किसानों की फसल प्राकृतिक आपदा के चलते नष्ट हो गई है, सरकार तुरंत विशेष गिरदावरी करवाकर उन्हें 50 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दे। उन्होंने कहा कि जिस दिन मंडियों में आवक अधिक आएगी, उस दिन वे मंडी के बंद पड़े गेटों को भी खुलवाएंगे। प्रदेश में कानून व्यवस्था को लचर बताते हुए अभय चौटाला ने कहा कि व्यापारियों से सरेआम फिरौतियां मांगी जा रही हैं और सरकार पूरी तरह से उदासीन है।

सरकार की तानाशाही शर्तें बर्दाश्त नहीं: सुनैना

इनेलो महिला प्रदेश प्रभारी ने किया फतेहाबाद अनाज मंडी का दौरा

- हैल्प डेस्ट पर किसानों से की बातचीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

इनेलो महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला ने अनाज मंडियों में फसल खरीद को लेकर सरकार द्वारा थोपी गई नई शर्तों पर कड़ा प्रहार किया है। रविवार को फतेहाबाद अनाज मंडी में इनेलो द्वारा स्थापित किसान कष्ट निवारण केंद्र पर पहुंचीं सुनैना चौटाला ने दो-टूक शब्दों में कहा कि बायोमेट्रिक सत्यापन और ट्रैक्टर-ट्रॉली पर नंबर प्लेट जैसी मनमानी शर्तें किसानों को प्रताड़ित करने का जरिया हैं, जिन्हें इनेलो किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगी। सुनैना चौटाला ने आज फतेहाबाद अनाज मण्डी का दौरा कर किसानों से उनकी समस्याएं जानी और इनेलो हैल्प डेस्क को लेकर जानकारी दी। किसानों से बातचीत के दौरान सुनैना चौटाला ने कहा कि एक तरफ किसान बेमौसमी बरसात और ओलावृष्टि की मार झेल रहा है, वहीं दूसरी तरफ सरकार मदद करने के बजाय नई-नई शर्तें थोपकर अनाज खरीदने में आनाकानी कर रही है। उन्होंने कहा, सरकार ने किसानों पर बायोमेट्रिक और अन्य तकनीकी जटिलताएं थोप दी हैं, जिससे मंडियों में अफरा-तफरी का माहौल है।

फतेहाबाद। किसानों को संबोधित करते इनेलो महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर इनेलो जिला प्रधान बिकर सिंह हड़ौली, हलका प्रधान अंगद ढिंगसरा, किसान सैल जिला प्रधान जगदीश जैलदार, बीसी सैल प्रधान भागीराम सोनी, लीगल सैल जिलाध्यक्ष सुधीर गढ़वाल, एससी सैल प्रधान रमेश लाली, सुशीला पिलानियां, ईश्वर सिंह पूर्व सरपंच, राजेश शर्मा, अजय मांजू, सतपाल सिद्धू, अजय रोहज, अमन शर्मा, सुमेर मल्हान नंबरदार, राजेन्द्र ढाका, उन्नत बैनीवाल, राधुराम अयाल्की, कृष्ण मांजू, विनोद बिश्नोई युवा हलका प्रधान, जितेन्द्र भोडियाखेड़ा सहित अनेक कार्यकर्ता और किसान उपस्थित रहे।

खो-खो प्रतियोगिता में एमडीयू रोहतक बना चैंपियन

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में आयोजित चार दिवसीय नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला खो-खो प्रतियोगिता महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक चैंपियन रहा, जबकि लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने द्वितीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ और भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बीआर शंकरानंद ने विजेताओं को पुरस्कार भेंट किए। इस प्रतियोगिता में 33 टीमों ने भाग लिया तथा चार दिनों में 47 मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता के अंतिम दिन खेले गए लीग मैचों के परिणामों के आधार पर महार्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक ने प्रथम स्थान, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने द्वितीय स्थान, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ ने तृतीय स्थान तथा मेजबान सीडीएलयू सिरसा की टीम ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए शंकरानंद ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना के साथ निरंतर आगे बढने के लिए प्रेरित किया। सीडीएलयू के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ाती हैं।

---

200 पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव सांझा किए और वर्तमान छात्रों का किया मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

चौ. देवी लाल इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी संस्थान पन्नीवाला मोटा में पूर्व छात्रों का मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के करीब 200 पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव सांझा किए और वर्तमान छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि निदेशक तकनीकी शिक्षा हरियाणा डॉ. यश पाल सिंह बेरवाल ने शिरकत की और अपने विचार सांझा किए। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों के साथ जुड़ाव बढ़ाने से हम अपने छात्रों और विभाग के भविष्य में निवेश कर रहे हैं। यह संस्थान के लिए गर्व का क्षण है कि पूर्व छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। संस्थान के निदेशक-प्रिंसिपल प्रो. जगदीश कुमार ने पूर्व छात्र मिलन समारोह के आयोजन में प्रेरणा और सहयोग के लिए उच्च अधिकारियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने पूर्व छात्रों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और वर्तमान छात्रों के लिए उनके महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों के अनुभव और ज्ञान का लाभ उठाकर हम अपने छात्रों को बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान कर सकते हैं। प्रो. विकास गुप्ता अध्यक्ष पूर्व छात्र सैल ने संस्थान की 23 वर्षिय विरासत पर प्रकाश डाला और कहा कि पूर्व छात्र संस्थान की प्रतिष्ठा और प्रगति के केंद्र में हैं।

सिरसा। मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते।

खाली प्लाट में मिले बुजुर्ग की शव की हुई पहचान

- मानसिक रूप से बीमार था मृतक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले के शहर टोहाना में हिसार रोड पर दो दिन पहले खाली प्लॉट से मिले बुजुर्ग के शव की पहचान हो गई है। मृतक की पहचान डांगरा रोड निवासी 59 वर्षीय इंद्र सिंह के रूप में हुई है। परिवार के अनुसार, इंद्र सिंह मानसिक रूप से बीमार चल रहे थे। इसी के चलते वह घर से चले गए। बाद में उनका शव मिला। टोहाना शहर पुलिस ने मृतक के बेटे के बयान पर इत्तफाकिया कार्रवाई की है। नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस अधिकारी धर्मवीर के अनुसार, इंद्र सिंह बीमारी के कारण घर में ही रहते थे। शुरुआती जांच के अनुसार, इंद्र सिंह के नीचे गिरने और उनके सिर के पिछले हिस्से में पत्थर लग गया था। अधिक खून बहने के कारण उनकी मौत हो गई। घटनास्थल पर घूम रहे आवारा कुत्तों के झुंड ने मृतक के मुंह को नोच लिया था, जिससे शव की पहचान करने में कुछ समय लग गया। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह और सब इंस्पेक्टर पवन ने बताया कि मृतक के बेटे जगन के बयान दर्ज किए गए हैं। जगन ने बताया कि उनके पिता लंबे समय से मानसिक रूप से बीमार थे।

रेहड़ी-फेरी वालों को आत्मनिर्भर रोजगार योजना से मिलेगा बल

- लायंस क्लब सिरसा ग्रीन ने रेहड़ी-फेरी वालों के उत्थान को लेकर शुरू की योजना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

आत्मनिर्भर रोजगार योजना से रेहड़ी-फेरी लगाने वाले उन जरूरतमंद लोगों को बल मिलेगा, जो संसाधनों के अभाव में अपनी रोजी-रोटी नहीं कमा पाते। पहले चरण में शहर के 13 लोगों को इस योजना के तहत चयनित किया गया है, जिन्हें सामान दिया गया है। उपरोक्त जानकारी इस प्रोजेक्ट के प्रधान नरेश सेठी ने रविवार को जनता भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए दी। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब सिरसा ग्रीन द्वारा पूर्व में भी समाज के उत्थान के लिए अनेक प्रकार के प्रोजेक्ट चलाए जा रहे हैं, जोकि काफी कारगर साबित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना को शुरू करने का उद्देश्य ऐसे लोगों को सहारा देना है, जो काम तो करना चाहते हैं, लेकिन संसाधनों के अभाव में कुछ कर नहीं पा रहे।

सिरसा। पत्रकारों से बातचीत करते क्लब प्रधान नरेश सेठी।

अध्यापकों को छात्र के साथ जुड़कर अध्यापन के कार्य को व्यवहारिक बनाना चाहिए

शिक्षा व्यक्तित्व निर्माण व संस्कारों के विकास का माध्यम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में भारतीय शिक्षा दृष्टि एवं शिक्षण पद्धतिः परंपरा से नवाचार तक विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें उन्मेष आनंदशालाः शिक्षक से गुरु बनने की यात्रा पुस्तक का विमोचन भी किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बीआर शंकरानंद ने भारतीय शिक्षा प्रणाली की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारी शिक्षा परंपरा केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और संस्कारों के विकास का माध्यम है। उन्होंने परंपरा और नवाचार के समन्वय पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थी अधिगम की विभिन्न प्रविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया और कहा कि अध्यापकों को विद्यार्थियों के साथ जुड़कर अध्यापन के कार्य को व्यवहारिक बनाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सम्मलित विभिन्न बिंदुओं पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए कहा कि एक अध्यापक यदि अपनी जिम्मेदारी का सफलता पूर्ण निर्वहन करता है तो राष्ट्र का निर्माण सही अर्थों में सुनिश्चित करने में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सिरसा। पुस्तक का विमोचन करते मुख्य अतिथि।

'शिक्षक से गुरु बनने की यात्रा' पुस्तक का विमोचन

संगोष्ठी के दौरान उन्मेष आनंदशालाः शिक्षक से गुरु बनने की यात्रा पुस्तक का विमोचन भी किया गया और इसे विभिन्न महाविद्यालयों, विद्यालयों के संचालकों एवं विद्यार्थियों में वितरित किया गया। उल्लेखनीय है कि यह पुस्तक भारतीय शिक्षण मंडल और चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा के संयुक्त तत्वाधान में 14-20 नवंबर 2025 तक आयोजित हुई सात दिवसीय आवासीय संकाय विकास कार्यक्रम उन्मेषा-आनंदशाला (शिक्षक से गुरु तक का विकास) पर आधारित है।